

Roll No.

Date

16
25

2023-24

नाम	-	डारवणी धुर्वे
पिता का नाम	-	शंकर लाल धुर्वे
कक्षा	-	B.Sc. 1st year
विषय	-	प्राथमिक प्रायोगिक
मोबाइल नंबर	-	9752719494
रजिस्टर घास	-	16

[Signature]

[Signature]

Date.....

Expt. Name.....

Page No.

2023 - 24

नाम - आस्था भास्कर

पिता - मनहरण भास्कर

Class - B.S.C I year Regular

रोल नं. 5

15
25

(Signature)

Teacher's Signature.....

Teacher's Signature.....

Roll No.

Date

2023-24

Name - Aditya Dahu

Class - B. De 1st year.

Father - Mr. Babri Prasad Dahu

College - Indira Gandhi Govt. College
Pandra, Kairwaham. [C.G.]

22
—
25

~~aw~~

Roll No.

Date _____

P

2023-24

Name - Shivani Chandraker

Father's Name - Nankuram Chandraker

Class - Bsc 1st year

Subject - Environment

Roll no. -

ENVIRONMENT FILE

PRIVATE

16/18

2023 - 24

नाम - अंबरदास मनहा

पिता का नाम - अंजौरादास मनहा

कक्षा - बी. एस. सी. प्रथम वर्ष

विषय - पर्यावरण

रोल नंबर - 11

17
25

(इंदिरा गांधी शासकीय महाविद्यालय पण्डरिया)

(Signature)

Roll No. _____

वायु प्रदूषण का मानव जीवन पर प्रभाव

रूपरेखा :-

वायु प्रदूषण की परिभाषा
वायु प्रदूषण के स्रोत
वायु प्रदूषण के प्रभाव
प्रदूषक व उनका मनुष्यों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव
प्रदूषण को नियंत्रित करने का उपाय
निष्कर्ष

* वायु :- वायु विभिन्न गैसों का मिश्रण है। नाइट्रोजन 78%
ऑक्सीजन 21%, कार्बन डाइऑक्साइड 0.03% पाया
जाता है तथा शेष 0.97% में हाइड्रोजन, हीलियम,
आर्गन, निऑन, क्रिप्टॉन, जीनॉन, प्रोजेन तथा
जलवाष्प होती है।

* तरक्की की क्या हमने गढ़ी कहानी है,
वायु प्रदूषण ही इसकी सबसे बड़ी मिशाली है।

वायु प्रदूषण की परिभाषा :- वायु में कुछ तत्वों के अनावश्यक
रूप से मिल जाने से वायु के
भौतिक, रासायनिक या जैविक गुणों में
ऐसा कोई भी प्रवांक्षित परिवर्तन जिसके
द्वारा स्वयं मनुष्य के जीवन या अन्य जीवों
जीवन परिस्थितियों तथा हमारी सांस्कृतिक

Roll No. _____

संपत्ति को हानि पहुँचाने वाली प्रदूषण कहलाता है।

→ वातावरण की ताजी हवा में हानिकारक और विषैले पदार्थों का जलना वायु प्रदूषण कहलाता है।

→ मनुष्य बिना भोजन-पानी के कुछ दिन तक जीवित रह सकता है। पर बिना हवा के कुछ ही मिनट भी जीवित रहना नामुंकिन है।

• वायु प्रदूषण को रोकने अपने बच्चों के भविष्य की ओर देखो।

★ वायु प्रदूषण के स्रोत :-

- प्राकृतिक स्रोत
- मानवीय स्रोत

प्राकृतिक एवं मानवीय कारणों से वायु के दूषित होने की प्रक्रिया वायु प्रदूषण कहलाती है।

• प्राकृतिक स्रोत :- प्रकृति में ऐसे कई स्रोत हैं जो वायु मंडल को दूषित करते हैं जैसे ज्वालामुखी, विस्फोट, ज्वालामुखी (राख, CO_2 , धुँआँ, धूल और अन्य गैसें), वूफ़ान, अँगलों की भाँस इत्यादि वायु मंडल को दूषित करते हैं।

मानवीय स्रोत :- विजली संयंत्रों की चिमनियों, मोटर कार, जलवायु लकड़ी, सामान्यतेल शोधक, कृषि और वानिकी प्रबंधन में रसायन आदि।

वायु प्रदूषण के प्रभाव :- वायु प्रदूषण केवल मनुष्यों को ही नहीं बल्कि वनस्पतियों, जीव-जंतुओं, जलवायु, मौसम, ऐतिहासिक इमारतों और यहाँ तक की ओजोन परत को भी नुकसान पहुँचाता है।

→ हर साल 2-4 लाख लोगों की मौत का कारण सीधे-सीधे वायु प्रदूषण है।

→ W.H.O के अनुसार दुनिया के 20 सबसे प्रदूषित शहरों में 13 भारतीय शहरों को रखा है इस सूची में नयी दिल्ली को सबसे प्रदूषित बताया गया है।

→ वायु प्रदूषण के कारण मनुष्यों को दमा, गले का दर्द, निमोनिया, सिरदर्द, उल्टी फेफड़ों का कैंसर, हृदय रोग, जुकाम, खाँसी व आँखों में जलन आदि जैसी समस्या पैदा हो जाती है।

→ वायु प्रदूषण के कारण सूर्य के प्रकाश की मात्रा में कमी आती है जिससे पौधों की प्रकाश संश्लेषण की क्रिया प्रभावित होती है।

→ अचानक तापमान में हुई बढ़ोतरी से डायरिया, पेट दर्द, उल्टी, सिर दर्द, बुखार, बदन दर्द और त्वचा संबंधी रोगों की शिकायत होने लगती है।

Roll No. _____

ज्यादा गर्मी बढ़ने से त्वचा पर चकते तथा खुजली की शिकायत होने लगती है।

• भोपाल गैस त्रासदी :-

→ भारत में भयंकर नागरिक प्रदूषण घातक 1984 में भोपाल घातक घी इसे "भोपाल गैस त्रासदी" के नाम से जाना जाता है।

→ भोपाल में "यूनियन कार्बाइड नामक कंपनी" के कारखाने से "मिथाइल आइसोसायनाइड" नामक जहरीली गैस का रिसाव हुआ जिससे लगभग 15,000 से अधिक लोगों की जान गई थी व बहुत से लोग शारीरिक अपंगता से लेकर अंधेपन का शिकार हुए।

"प्रदूषण इतनी तेजी से बढ़ रहा है, और रोज-रोज नवीं बीमारियाँ पैदा कर रहा है।"

★ प्रदूषक एवं उनके मनुष्यों के स्वास्थ्य पर प्रभाव :-

→ प्रदूषण से होने वाली बीमारी का सबसे बड़ा कारण CO व नाइट्रोजन जैसे गैस हैं।

→ साध ही कारों, बसों और ट्रकों से निकलने वाले धुएँ के महान कण बीमारी का एक बड़ा कारण हैं।

→ हवा में मौजूद रासायनिक तत्व सांस के रोग पैदा करते हैं तथा आंख में जलन खादि रोग पैदा करते हैं।

कार्बन मोनोऑक्साइड (CO) :-

→ यह रंगहीन, गंधहीन गैस है।

→ यह गैस हवा में हल्की होती है। उच्च सांद्रता में यह मनुष्यों और जानवरी में विषाक्त होती है।

शरीर पर प्रभाव :-

→ अधिक मात्रा में शरीर के अंदर जाये तो दम छुटना है, बेहोशी आती है फिर मृत्यु तक ही सकती है।

→ यह हमारे प्रतिक्रिया तंत्र को प्रभावित करती और नींद में ले जाकर भ्रमित करती है।

क्लोरीन (Cl) :-

→ क्लोरीन क्लोरीन एक रासायनिक तत्व है जो पौधों एवं मनुष्यों के लिए आवश्यक है।

→ क्लोरीन और कीटाणुनाशक बनाने के कारखाने में काम करने वाले लोगों में इससे प्रभावित होने की आशंका अधिक रहती है।

शरीर पर प्रभाव :-

→ तेज गंध आंखों, त्वचा और श्वसन तंत्र के लिए हानिकारक होते हैं।

Roll No. _____

→ इससे गले में धाव, खाँसी और आँखों व त्वचा में जलन हो सकती है।

कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) :-

→ यह ग्रीनहाउस गैस है, क्योंकि सूर्य से आने वाली किरणों की तीव्रता यह पृथ्वी के धरातल पर पहुँचने देती है परंतु पृथ्वी की गर्मी जब वापस अंतरिक्ष में जाना चाहते हैं तो यह उसे रोकती है।

→ वायुमंडल में यह गैस 0.03% से 0.04% तक पायी जाती है।

शरीर पर प्रभाव :-

→ साँस के बीमारियों के प्रति संवेदनशील बनाती है।

→ फेफड़ों को काफी प्रभावित करता है।

क्लोरो फ्लोरो कार्बन (CFC) :-

→ (CFC) यह वे गैसें हैं जो कि प्रमुखतः फ्रिज और AC यंत्रों से निकलती हैं।

→ यह ऊपर वातावरण में पहुँचकर अन्य गैसों के साथ मिलकर ओजोन परत को प्रभावित करता है।

शरीर पर प्रभाव :-

→ यह चर्म रोग उत्पन्न करता है।

* वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के उपाय :-

वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए निम्नलिखित उपाय हैं जिनकी उपयोग में लाने से हमारे शरीर पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव को रोका जा सकता है -

→ वायु प्रदूषण को रोकने के लिए भारत सरकार ने वायु (प्रदूषण निवारण तहत नियंत्रण) अधिनियम 1981 लागू किया है तथा तेजी से वायु प्रदूषण नियंत्रण के उपाय विकसित तकनीक का सहारा लिया जा रहा है ऐसे कार्यों के समन्वित करने के उद्देश्य से केंद्रीय व राज्यों के पर्यावरण प्रबंधन संगठन की स्थापना की है।

→ इसके साथ हम आपस में मिलकर भी वायु प्रदूषण को रोकने का उपाय करना चाहिए।

→ वाहनों के धुँसा को रोकने के लिए सूक्ष्म नियंत्रण, स्क़बर आदि का प्रयोग करना चाहिए।

→ रेल यातायात में कोयले प्रथवा डीजल के इंजनों के स्थान पर बिजली के इंजनों का उपयोग किया जाना चाहिए।

→ कारखानों को शहरी क्षेत्र से दूर स्थापित किया जाना चाहिए।

→ ऐसे ईंधनों की उपयोग का सलाह दिया जाना चाहिए जिसके उपयोग करने से उसका पूर्ण पॉक्सीकरण हो जाये।

Roll No.

* निष्कर्ष :-

→ एक सामान्य स्वस्थ व्यक्ति एक दिन में लगभग 22 हजार बार श्वास लेता है लेकिन आज वायुमंडल में वायु प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। हवा में कई हानिकारक गैसों की संख्या बढ़ती ही जा रही है।

→ लोगों को अत्यधिक प्रदूषक मौसम में ज्यादा समय तक नहीं रहना चाहिए, मास्क पहनना चाहिए।

→ ज्यादा धकान देने वाली बाहरी गतिविधियों से बचना चाहिए।

→ अगर घाने वाले समय में इसका उचित निवारण नहीं किया गया तो जीव जंतु तथा मानव का स्वसन तंत्र प्रभावित होगा।

→ यही नहीं मौसम पर भी वायु प्रदूषण का विपरीत प्रभाव पड़ रहा है, जिसके कारण ही जलवायु प्रभावित हो रही है और बाढ़ व सूखे जैसी स्थिति पैदा हो रही है।

→ देश में प्रदूषण कम करना हर नागरिक का फर्ज है।
5 फ्लुन विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है।

“पर्यावरण का रखे ध्यान

तभी बनेगा देश महान।”